

05 जुलाई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

1. शिक्षा 'सबसे प्रभावी गर्भनिरोधक बनी हुई है':

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

पर्यावरण:

1. भारत के लिए पांच वर्षीय जलवायु एजेंडा का स्वरूप:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. गंभीर चिंता:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. ब्रह्मपुत्र की एकमात्र महिला घड़ियाल का साथी के लिए लंबा इंतजार जल्द खत्म हो सकता है:
2. मिजोरम और नगालैंड के बाद मेघालय ने आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 'मंदिर' का दर्जा अस्वीकार किया:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

शिक्षा 'सबसे प्रभावी गर्भनिरोधक बनी हुई है':

सामाजिक न्याय:

विषय: सामाजिक क्षेत्र/स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: भारत के विकास में शिक्षा का महत्व।

संदर्भ:

- भारत, जो अब विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, अपनी जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियों से संबंधित जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। कुल प्रजनन दर में कमी के बावजूद, देश में किशोर गर्भधारण में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। यह मुद्दा शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है, विशेष रूप से यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के संदर्भ में, परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में।

वर्तमान जनसांख्यिकीय परिदृश्य:

- भारत की जनसंख्या: 1.4 बिलियन, 2064 तक 1.7 बिलियन तक पहुँचने का अनुमान है।
- कुल प्रजनन दर में गिरावट: 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे, और गिरावट का अनुमान है।

किशोर गर्भावस्था:

- विवाहित और अविवाहित दोनों महिलाओं में किशोर गर्भावस्था में उल्लेखनीय वृद्धि।
- अविवाहित किशोरों की यौन गतिविधि को स्वीकार करने के लिए सांस्कृतिक प्रतिरोध।
- यौन शिक्षा की कमी गलत धारणाओं और जोखिम भरे व्यवहारों में योगदान देती है।

शिक्षा और परिवार नियोजन:

- स्कूली शिक्षा के वर्षों और परिवार नियोजन के लिए अधूरी ज़रूरतों के बीच मज़बूत संबंध।
- कम शिक्षित, युवा महिलाओं में परिवार नियोजन के लिए अधूरी ज़रूरतें ज़्यादा हैं।

- शिक्षा महिलाओं को गर्भनिरोधक के बारे में बातचीत करने और उन तक पहुँचने में सशक्त बनाती है।

मुद्दे:

- सामाजिक मानदंड और सांस्कृतिक बाधाएँ:
 - पिछड़े क्षेत्रों में कम उम्र में विवाह प्रचलित है, जो परिवार नियोजन में महिलाओं की एजेंसी को सीमित करता है।
 - विवाह के बाद प्रजनन क्षमता साबित करने की सांस्कृतिक अपेक्षाएँ, गर्भनिरोधक उपयोग में बाधा डालती हैं।
 - यौन शिक्षा का प्रतिरोध और किशोरावस्था में यौन गतिविधि के बारे में कलंक।
- कानूनी और पहुँच संबंधी चुनौतियाँ:
 - गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन (एमटीपी) अधिनियम के तहत गर्भपात कानून पहुँच को प्रतिबंधित करते हैं।
 - एमटीपी अधिनियम की शर्तों के बाहर गर्भपात का अपराधीकरण, सुरक्षित विकल्पों को सीमित करता है।

महत्व:

- गर्भनिरोधक के रूप में शिक्षा:
 - शिक्षा विवाह और पहले बच्चे के जन्म में देरी करती है, जिससे किशोरावस्था में गर्भधारण कम होता है।
 - गर्भनिरोधक विधियों की समझ और स्वीकृति को बढ़ाती है।

- जानकारी और एजेंसी के साथ महिलाओं को सूचित प्रजनन विकल्प बनाने के लिए सशक्त बनाती है।
- **स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक लाभ:**
 - बेहतर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करता है।
 - शिक्षित महिलाएँ आर्थिक विकास और सामाजिक विकास में योगदान देती हैं।
 - किशोरावस्था में गर्भधारण में कमी से युवा महिलाओं के लिए बेहतर शैक्षिक और करियर के अवसर मिलते हैं।

समाधान:

- **शिक्षा को बढ़ावा देना:**
 - स्कूलों में व्यापक यौन शिक्षा, खास तौर पर कक्षा 11 और 12 के लिए।
 - गलत धारणाओं को दूर करने के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील व्यवहार परिवर्तन संचार।
- **गर्भनिरोधकों तक पहुँच में सुधार:**
 - युवा लोगों की ज़रूरतों के हिसाब से गर्भनिरोधक विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना।
 - सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से गर्भनिरोधकों की उपलब्धता और स्वीकृति बढ़ाएँ।
- **कानूनी सुधार:**
 - सुरक्षित और कानूनी गर्भपात तक पहुँच को व्यापक बनाने के लिए एमटीपी अधिनियम में संशोधन करना।

- सभी के लिए सुरक्षित प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए गर्भपात को अपराध से मुक्त करना।

सारांश:

- भारत में किशोर गर्भधारण में वृद्धि को संबोधित करने के लिए शिक्षा, सांस्कृतिक परिवर्तन और कानूनी सुधार पर केंद्रित एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। महिलाओं की शिक्षा को प्राथमिकता देकर और व्यापक यौन शिक्षा प्रदान करके, भारत अपने युवाओं को सूचित प्रजनन विकल्प बनाने के लिए ज्ञान और उपकरणों से सशक्त बना सकता है, जो अंततः बेहतर स्वास्थ्य परिणामों और सामाजिक प्रगति में योगदान देगा। शिक्षा सबसे प्रभावी गर्भनिरोधक है, जो देश के स्वस्थ और समृद्ध भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संपादकीय-द हिन्दू**संपादकीय:**

भारत के लिए पांच वर्षीय जलवायु एजेंडा का स्वरूप:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।

मुख्य परीक्षा: जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय प्रयास।

विवरण: वैश्विक नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्य

- जलवायु पर नई सरकार की कार्रवाई प्रत्येक मंत्रालय और क्षेत्र को प्रभावित करेगी।
- चुने गए विकल्प भारत की आर्थिक स्थिरता और वैश्विक स्थिति को प्रभावित करेंगे।
- भारत को महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलनों, संभवतः 2028 में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की मेजबानी करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

- वर्ष 2030 के बाद तेल और गैस में कोई नया निवेश न करने पर जोर दिया जाए, तथा अनुकूलन वित्त प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित किया जाए।

घरेलू प्रगति और लक्ष्य:

- भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जैसे वैश्विक संस्थानों की स्थापना करके जलवायु नेतृत्व का प्रदर्शन किया है।
- देश ने महत्वाकांक्षी उत्सर्जन लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिनमें 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य और पर्याप्त राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) शामिल हैं।
- स्थिरता को आर्थिक नीतियों में एकीकृत किया गया है, जिसका उदाहरण भारतीय उत्सर्जन कार्बन व्यापार योजना है।

क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय कार्यवाहियाँ:

- ऊर्जा से परे निजी गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों को व्यापक बनाएँ।
- स्वच्छ ऊर्जा नौकरियों और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए शून्य-कार्बन दो- और चार-पहिया वाहनों को बढ़ावा देना।
- वैज्ञानिक मॉडलिंग और केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित प्रयासों का उपयोग करके राज्य-स्तरीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं को प्रोत्साहित करना।

भविष्य के कदम और समन्वय:

- सोलहवें वित्त आयोग के माध्यम से जलवायु कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एक केंद्र-राज्य समन्वय समूह बनाएँ।
- राज्य स्तर पर एकीकृत डेटा मापन, रिपोर्टिंग और सत्यापन (MRV) प्रणाली लागू करना।
- सरकार को अगले चार से पाँच वर्षों के लिए आगे देखना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत का जलवायु नेतृत्व और आर्थिक विकास सहज रूप से संरेखित हो।

सारांश:

- भारत की नई सरकार को वैश्विक नेतृत्व, सभी क्षेत्रों में महत्वाकांक्षी उत्सर्जन लक्ष्यों और समन्वित राज्य-स्तरीय योजनाओं के माध्यम से जलवायु कार्रवाई को बढ़ाना चाहिए, ताकि सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित हो और अगले पाँच वर्षों में वैश्विक जलवायु वार्ता और वित्त में भारत की भूमिका को मजबूत किया जा सके।

गंभीर चिंता:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ, एजेंसियाँ और मंच - उनकी संरचना, अधिदेश।

मुख्य परीक्षा: पोलियो के वैश्विक प्रसार का खतरा और WHO की भूमिका।

संदर्भ: WPV1 प्रसार का बढ़ता जोखिम

- वर्ष 2026 तक वाइल्ड-टाइप पोलियो वायरस टाइप-1 (WPV1) को खत्म करने का लक्ष्य और अधिक कठिन होता जा रहा है।
- WPV1 पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान में स्थानिक (क्षेत्र विशेष का) है, जो 2023 से फिर से उभर रहा है।
- अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान में वर्ष 2023 में WPV1 के छह-छह मामले दर्ज किए, जबकि वर्ष 2022 में क्रमशः 2 और 20 मामले दर्ज किए गए।

बढ़ती पर्यावरणीय उपस्थिति:

- पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान में सकारात्मक पर्यावरणीय नमूने बढ़ रहे हैं।
- वर्ष 2023 में पाकिस्तान के 28 जिलों से 125 सकारात्मक नमूने एकत्र किए गए; तथा 119 एक आनुवंशिक क्लस्टर (YB3A) से थे जो अफ़गानिस्तान से आयात (अफ़गानिस्तान से लाने को) का संकेत देते हैं।

- 1 जून, 2024 तक पाकिस्तान के 39 जिलों से 153 पॉजिटिव नमूने दर्ज किए गए।
- अफ़गानिस्तान से 8 अप्रैल, 2024 तक 34 पॉजिटिव नमूने एकत्र किए।

टीकाकरण अभियान में चुनौतियाँ:

- कराची, क्वेटा, पेशावर-खैबर ब्लॉक (पाकिस्तान) और कंधार (अफ़गानिस्तान) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पॉजिटिव नमूने महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करते हैं।
- इन क्षेत्रों में पोलियो अभियानों ने वांछित कवरेज हासिल नहीं किया है; टीकाकरण के बिना नकली उंगली अंकन (झूठा अंकन) जारी है।
- विशेष रूप से पाकिस्तानी शहरों में बिना टीकाकरण वाले या आंशिक रूप से टीकाकरण वाले बच्चे अधिक जोखिम में हैं।

सीमा पार प्रसार की चिंताएँ:

- WPV1 का प्रसार, जो पहले अफ़गानिस्तान में प्रमुख रूप से प्रसारित था, अब वर्ष 2023-2024 में पाकिस्तान में देखा जा रहा है।
- पाकिस्तान छोड़ने के लिए मजबूर 0.5 मिलियन से अधिक अफ़गान शरणार्थियों ने सीमा पार वायरस फैलने का जोखिम बढ़ा दिया है।
- अनुमानित 0.8 मिलियन से अधिक बेदखली इस जोखिम को बढ़ा देती है।
- दक्षिणी अफ़गानिस्तान के बिना टीकाकरण वाले बच्चों का बड़ा समूह शरणार्थियों के लौटने के कारण असुरक्षित है।

सारांश:

- पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान में वाइल्ड-टाइप पोलियोवायरस टाइप-1 (WPV1) का फिर से उभरना वैश्विक उन्मूलन प्रयासों के लिए एक बड़ी चुनौती है। बढ़ते पर्यावरणीय नमूने और

सीमा पार प्रसार जोखिम, शरणार्थियों की आवाजाही से और बढ़ गए हैं, प्रभावी टीकाकरण अभियानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. ब्रह्मपुत्र की एकमात्र महिला घड़ियाल का साथी के लिए लंबा इंतजार जल्द खत्म हो सकता है:

संदर्भ:

- अपनी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध ब्रह्मपुत्र नदी में एक महत्वपूर्ण वन्यजीव घटना घटी है, क्योंकि एक अकेली मादा घड़ियाल देखी गई है, जो एक ऐसी प्रजाति थी जिसे इस नदी प्रणाली में कभी विलुप्त माना जाता था।
- असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में हुई इस खोज से नदी में इन गंभीर रूप से लुप्तप्राय सरीसृपों की पुनः आबादी की संभावना खुल गई है।

ऐतिहासिक संदर्भ:

- माना जाता है कि 1950 के दशक में ब्रह्मपुत्र से घड़ियाल (गेवियलिस गैंगेटिकस) का सफाया हो गया था।
- 1990 के दशक में कभी-कभार अपुष्ट दृश्य देखे गए।
- अकेली मादा घड़ियाल को पहली बार 2021 में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के विश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग में देखा गया था।

वर्तमान स्थिति:

- यह एक वयस्क घड़ियाल है, जिसकी लंबाई 2.55 मीटर है, तथा इसे विशिष्ट आवासों के बीच विचरण करते हुए देखा गया है।
- टर्टल सर्वाइवल अलायंस फाउंडेशन इंडिया (टीएसएएफआई) और असम वन विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षणों में ब्रह्मपुत्र के 160 किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया गया।

- मादा घड़ियाल तीन साल से अधिक समय से अकेली है और संभावित रूप से प्रजनन के लिए तैयार है।

मुद्दे:

- जनसंख्या में गिरावट - आवास की हानि, शिकार और मछली संसाधनों की कमी के कारण ऐतिहासिक गिरावट। प्रजनन और पुनः जनसंख्या के लिए एक स्थायी आवास सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ।
- आनुवंशिक विविधता - अंतःप्रजनन को रोकने और स्वस्थ जनसंख्या सुनिश्चित करने के लिए विविध जीन पूल की आवश्यकता।
- आवास की उपयुक्तता - यह सुनिश्चित करना कि ब्रह्मपुत्र और आस-पास के क्षेत्र व्यवहार्य घड़ियाल आबादी का समर्थन कर सकें। पर्याप्त पानी की गहराई और गुणवत्ता बनाए रखना और मानवीय व्यवधानों को कम करना।

महत्व:

- जैव विविधता संरक्षण-घरियालों को फिर से शुरू करने से ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली के पारिस्थितिक संतुलन और जैव विविधता में वृद्धि होगी।
- घड़ियाल स्वस्थ नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक संकेतक प्रजाति हैं।
- पारिस्थितिक भूमिका - घड़ियाल मछलियों की आबादी और जलीय स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी उपस्थिति इकोटूरिज्म को बढ़ावा दे सकती है और नदी संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ा सकती है।
- वैज्ञानिक और संरक्षण प्रयास - गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों के पुनःप्रवेश और अनुकूलन का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। वन्यजीव संगठनों और सरकारी निकायों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ाता है।

2. मिजोरम और नागालैंड के बाद मेघालय ने आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 'मंदिर' का दर्जा अस्वीकार

किया:

संदर्भ:

- मिजोरम और नागालैंड के उदाहरणों का अनुसरण करते हुए मेघालय ने स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।
- यह निर्णय राज्य के मामलों पर अपने संवैधानिक अधिकार का दावा करते हुए अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बनाए रखने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

पृष्ठभूमि:

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की पहल का उद्देश्य आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर करना था।
- इस पहल में टैगलाइन "आरोग्यम परमम धनम्" (स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है) शामिल थी।
- देश भर में लगभग 1.6 लाख ऐसे केंद्र हैं।

मेघालय का निर्णय:

- मेघालय ने स्वास्थ्य केंद्रों के नाम बदलने के लिए अधिसूचना जारी करने से इनकार कर दिया है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माजेल अम्पारीन लिंगदोह ने स्वास्थ्य मामलों को राज्य का विषय बताते हुए उन पर राज्य के अधिकार पर जोर दिया है।

राजनीतिक संदर्भ:

- यह निर्णय मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार द्वारा लिया गया।

- इसी तरह का इनकार मिजोरम और नागालैंड ने भी किया, जहां बहुसंख्यक आबादी ईसाई धर्म का पालन करती है।

मुद्दे:

- **सांस्कृतिक संवेदनशीलता:**
 - नाम बदलने के प्रस्ताव ने महत्वपूर्ण ईसाई आबादी वाले राज्यों में धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बारे में चिंताएँ पैदा कीं।
 - "मंदिर" शब्द हिंदू धर्म से बहुत जुड़ा हुआ है, जो ईसाई-बहुल राज्यों की सांस्कृतिक पहचान के साथ प्रतिध्वनित नहीं हो सकता है।
- **राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ:**
 - मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने नाम बदलने को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा संभावित 'हिंदुत्व' एजेंडे के रूप में देखा।
 - छिपे हुए एजेंडे के बारे में चिंताओं के कारण इन राज्यों में विभिन्न राजनीतिक नेताओं और दलों ने विरोध किया है।
- **संवैधानिक अधिकार:**
 - भारतीय संविधान के तहत स्वास्थ्य राज्य का एक विषय है, जो राज्यों को इस क्षेत्र में निर्णय लेने का अधिकार देता है।
 - मेघालय द्वारा केंद्रों का नाम बदलने से इनकार करना उसके संवैधानिक अधिकारों और स्वायत्तता पर जोर देता है।

समाधान:

- **समावेशी नामकरण रणनीतियाँ:**

- स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के लिए तटस्थ और समावेशी नाम प्रस्तावित करें जो किसी विशिष्ट धार्मिक या सांस्कृतिक अर्थ से मेल न खाते हों।
- उपयुक्त नामों की पहचान करने के लिए राज्य सरकारों और स्थानीय समुदायों के साथ परामर्श करना।
- **नीति कार्यान्वयन में संवेदनशीलता:**
 - सुनिश्चित करना कि केंद्र सरकार की नीतियाँ विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनशीलताओं पर विचार करें।
 - देशव्यापी योजनाओं को लागू करने के लिए दिशा-निर्देश विकसित करना जो क्षेत्रीय अनुकूलन की अनुमति दें।
- **संघीय संवाद को मजबूत करना:**
 - चिंताओं को दूर करने और नीतिगत परिवर्तनों पर आम सहमति बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच निरंतर संवाद को बढ़ावा देना।
 - राज्यों के लिए अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करने और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए मंच स्थापित करना।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. वाइल्ड-टाइप पोलियो वायरस टाइप-1 (WPV1) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. WPV1 वाइल्ड पोलियोवायरस का एकमात्र ऐसा स्ट्रेन है जो वैश्विक स्तर पर स्थानिक बना हुआ है।
2. WPV1 का पुनरुत्थान मुख्य रूप से कम टीकाकरण कवरेज वाले क्षेत्रों में देखा गया है।

3. WPV1 के संचरण में पर्यावरणीय कारक महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। WPV1 वाइल्ड-टाइप पोलियोवायरस का एकमात्र ऐसा स्ट्रेन है जो वैश्विक स्तर पर, मुख्य रूप से पाकिस्तान और अफगानिस्तान में स्थानिक बना हुआ है।
- कथन 2 सही है। WPV1 का पुनरुत्थान मुख्य रूप से कम टीकाकरण कवरेज वाले क्षेत्रों में देखा गया है।
- कथन 3 गलत है। पर्यावरणीय कारक, जैसे खराब स्वच्छता और जल की गुणवत्ता, WPV1 के संचरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न 2. भारत में जलवायु कार्रवाई के लिए केंद्र-राज्य समन्वय समूह के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सोलहवें वित्त आयोग के माध्यम से राज्य-स्तरीय जलवायु कार्यों को प्रोत्साहित करने की सिफारिश की गई है।
2. इस समूह का उद्देश्य नीति निर्माण में वैज्ञानिक मॉडलिंग क्षमताओं के गहन एकीकरण को बढ़ावा देना है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- भारत में जलवायु कार्रवाई के लिए केंद्र-राज्य समन्वय समूह के बारे में दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 1951 से 1975 तक, भारत में अनुमानित 4 मिलियन हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन किया गया।
2. वन भूमि के वार्षिक डायवर्जन की दर 1981 से 2022 तक काफी बढ़ गई।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। वन भूमि के वार्षिक डायवर्जन की दर 1981 से 2022 तक कम हो गई।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. माना जाता है कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एकमात्र मादा घड़ियाल 1950 के दशक में ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली से विलुप्त हो गई थी।
2. कुकरैल घड़ियाल प्रजनन केंद्र असम में स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर:- a

व्याख्या:

- कुकरैल घड़ियाल प्रजनन केंद्र लखनऊ के पास स्थित है।

प्रश्न 5. हरित विकास संधि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हरित विकास संधि भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत शुरू की गई एक पहल थी।
2. इस संधि का उद्देश्य ऊर्जा, कृषि और परिवहन सहित कई क्षेत्रों में जलवायु क्रियाओं को एकीकृत करना है।
3. केवल वैश्विक दक्षिण के देश ही हरित विकास संधि पर हस्ताक्षरकर्ता हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। हरित विकास समझौता भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत बनाई गई एक पहल थी।
- कथन 2 सही है। इस समझौते का उद्देश्य ऊर्जा, कृषि और परिवहन सहित कई क्षेत्रों में जलवायु क्रियाओं को एकीकृत करना है।
- कथन 3 गलत है। हरित विकास समझौता वैश्विक दक्षिण के देशों तक सीमित नहीं है; इसमें दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के हस्ताक्षरकर्ता शामिल हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत पर जलवायु परिवर्तन के प्रमुख प्रभाव क्या हैं? इससे निपटने के लिए देश द्वारा अपनाई गई शमन और अनुकूलन रणनीति पर चर्चा कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक) (सामान्य अध्ययन - III, पर्यावरण)

प्रश्न 2. ऐसा लगता है कि पोलियो मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने की आखिरी मंजिल चुनौतीपूर्ण होने जा रही है। पोलियो उन्मूलन के लिए मौखिक पोलियो वैक्सीन अभी भी महत्वपूर्ण क्यों है? निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन (आईपीवी) और मौखिक पोलियो वैक्सीन के बीच अंतर पर विस्तार से चर्चा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक) (सामान्य अध्ययन - II, सामाजिक न्याय)

